खबर संक्षेप

ई-दक्ष केन्द्र में अधिकारियो एवं कर्मचारियों को दिया गया सेवोत्तम प्रशिक्षण

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में ई-दक्ष केंद्र शहडोल में सेवोत्तम मॉडल पर आधारित प्रशिक्षण अधिकारियो एवं कर्मचारियो को दिया गया। ई-दक्ष के वरिष्ठ प्रशिक्षक हरिकृष्ण सोनी ने बताया कि यह प्रशिक्षण सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों की डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने के लिए दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियो एवं कर्मचारियो को डिजिटल उपकरणो, ऑनलाइन पोर्टलो और ई-गर्वेनेंस से जुड़े अनुप्रयोगो का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण से न केवल कामकाज में सुधार होगा बल्कि आम जनता को बेहतर सरकारी सेवाएं प्राप्त होगी।

सीईओ ने किया आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण

शहडोल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू सुधीर दिनकर ने संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र कर्री का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय केन्द्र में दर्ज सभी बच्चे उपस्थित थे तथा उन्हें मीनू के अनुसार नाश्ते का वितरण भी किया जा रहा था। केन्द्र में साफ-सफाई संतोषजनक मिली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान गर्भवती माताओं के पंजीयन, कुपोषित बच्चों की जानकारी, एनआरसी में भर्ती कराने, टेक होम राशन का वितरण, टीकाकरण कार्यक्रम, सहित अन्य विभागीय मानको की समीक्षा करते हुए संपूर्णता अभियान के तहत सभी घटकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करने के निर्देश दिए।

12वीं की परीक्षा में शामिल हुए 7204 परीक्षार्थी

जिले में पैनलों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का किया गया औचक निरीक्षण

शहडोल। माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आज कक्षा 12वीं के भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र तथा एनीमल हसबैन्डरी विषयों की परीक्षाएं सम्पन्न हुईं। इन विषयों की परीक्षा हेतु पंजीकृत 7290 विद्यार्थियों में से 7204 विद्यार्थी परीक्षा शामिल हुए, जबकि 86 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। जिले में कोई भी नकल प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। कलेक्टर द्वारा गठित विभिन्न पैनलों द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अमरनाथ सिंह के नेतृत्व में गठित पैनल द्वारा परीक्षा केन्द्र करकी, टिहकी, भारतीयम विद्यालय ब्यौहारी, सरस्वती स्कूल ब्यौहारी का, डीपीसी पैनल द्वारा महिला समिति शहडोल, रघुराज स्कूल क्र. 01, भारत माता विद्यालय शहडोल, सरस्वती स्कूल शहडोल, कन्या सोहागपुर तथा बालक सोहागपुर का निरीक्षण किया गया।

चबूतरे पर चढ़कर पटवारी ने नापी प्रशासन की अकड़

शहडोल में गरजे जीतू पटवारीः दागी मंत्रियों का मांगा इस्तीफा, कलेक्टर-एसपी पर मढ़ा रेत माफिया से हिस्सेदारी का आरोप

शहडोल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का शुक्रवार का शहडोल दौरा पूरी तरह राजनीतिक उबाल और जनाक्रोश के नाम रहा। शहर की सडक़ों से लेकर जयस्तंभ चौक तक गूंजते नारों, हाथों में तख्तियों और तीखे भाषणों के बीच निकली जन आक्रोश रैली ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन को कठघरे में खड़ा कर दिया। मंच से लेकर कलेक्ट्रेट तक पटवारी का अंदाज सख्त, आक्रामक और चुनौती भरा रहा। उन्होंने साफ कहा कि यह सिर्फ चेतावनी है, अगर हालात नहीं सुधरे तो अगला आंदोलन उग्र और निर्णायक होगा। सुबह से ही शहडोल का राजनीतिक माहौल गरम था। भाजपा कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर नाबालिग छात्र से जुड़े मामले को लेकर कांग्रेस पर हमलावर थे, वहीं कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रैली में जुटकर सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रकट कर रहे थे। हालांकि पूरे दिन के घटनाक्रम में किसी बड़े टकराव की स्थिति नहीं बनी, लेकिन सियासी तापमान लगातार चढ़ा रहा।

तीन मंत्रियों पर सीधा हमला, इस्तीफे की मांग

जयस्तंभ चौक पर आयोजित सभा में जीतू पटवारी ने मोहन सरकार पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार अब चरम सीमा पर पहुंच चुका है। उन्होंने तीन मंत्रियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए तत्काल इस्तीफे की मांग की। पटवारी ने उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल पर छिंदवाड़ा सीरप कांड में 26 बच्चों की मौत, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पर इंदौर में दूषित पानी से 35 लोगों की मौत और मंत्री विजय शाह पर सेना की महिला अधिकारी को लेकर दिए गए विवादित बयान का हवाला दिया। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि इन मंत्रियों से इस्तीफा नहीं लिया गया तो 16 फरवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान कांग्रेस इस मुद्दे को पूरी ताकत से उठाएगी।

एक गिलास पानी की मांग पर लाठीचार्ज का आरोप

श्री पटवारी ने 8 फरवरी को मुख्यमंत्री के शहडोल दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता केवल शुद्ध पेयजल की मांग कर रहे थे, लेकिन प्रशासन ने इसके बदले उन्हें लाठियां थमा दीं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से भाजपा के विधायक और सांसद होने के बावजूद शहडोल की जनता को आज भी साफ पानी तक नसीब नहीं है। यह शासन की संवेदनहीनता और विफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

खनन माफिया और प्रशासन पर हिस्सेदारी का आरोप

जीतू पटवारी ने मंच से पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि शहडोल जिले में रेत और खनिज माफिया बेलगाम हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि कलेक्टर, एसपी से लेकर थाना प्रभारी तक की हिस्सेदारी की चर्चाएं आम हैं। यहां की रेत प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र बनारस तक भेजी जा रही है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि इस लड़ाई को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी चौथे स्तंभ की है। हाल ही में वन विभाग के रेंजर पर हुए हमले का उल्लेख करते हुए श्री पटवारी ने कहा कि खनन माफिया का प्रभाव इतना बढ़ गया है कि महिला डीएफओ को भी पुलिस से सहयोग नहीं मिल पा रहा। डीएफओ खुद कह रही हैं कि पुलिस उनकी नहीं सुनती और माफियाओं के पक्ष में खड़ी है। पटवारी ने इसे प्रशासनिक तंत्र की गंभीर विफलता बताते हुए सीबीआई जांच की मांग की।

'अच्छा हिंदू बनाते हैं, कट्टर नहीं'

अपने भाषण में श्री पटवारी ने वैचारिक मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अच्छा हिंदू बनाने का काम करती है, जबकि भाजपा कट्टर हिंदू बनाने की राजनीति करती है। कट्टरता से समाज का विकास नहीं हो सकता, विकास के लिए समरसता और सद्भाव जरूरी है। रैली के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने मंच से चौंकाने वाला खुलासा किया कि जिस नाबालिग छात्र की परीक्षा छूटने का मामला सामने आया था, उसे प्रशासनिक दबाव के चलते कांग्रेस ने नजरबंद रखा, ताकि वह प्रदेश अध्यक्ष से मिल सके। प्रशासन नहीं चाहता था कि बच्चे पटवारी से मिलें। मंच पर तीनों छात्रों का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

अधिकारियों को मंच पर बुलाया, फिर कलेक्ट्रेट कूच

जीतू पटवारी ने जयस्तंभ चौक पर ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को मंच पर बुलाकर ज्ञापन लेने की अपील की, लेकिन अधिकारियों के नहीं आने पर वे कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे। वहां कलेक्टर के भोपाल में बैठक में होने की जानकारी मिली। एसपी, एडीएम और अन्य अधिकारी मौजूद थे, लेकिन कलेक्टर की अनुपस्थिति से नाराज पटवारी अफसरों के पास नहीं गए और लगभग दस मीटर दूर चबूतरे पर खड़े होकर प्रशासन को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने माइक की मांग की, लेकिन पुलिस अधिकारियों ने व्यवस्था से इनकार कर दिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने खुद माइक की व्यवस्था की। पटवारी ने वहीं से कलेक्टर पर निशाना साधते हुए विधायकों और जिला अध्यक्ष के माध्यम से ज्ञापन भिजवाया।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

दिनभर के कार्यक्रम के बाद पटवारी ने साफ शब्दों में कहा कि यह जन आक्रोश रैली सिर्फ चेतावनी है। यदि शहडोल की समस्याओं—पेयजल संकट, खनन माफिया, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक मनमानी—का समाधान नहीं हुआ तो अगली बार आंदोलन और उग्र रूप लेगा। इस दौरे ने शहडोल की राजनीति में नई गर्माहट ला दी है। अब सबकी निगाहें बजट सत्र पर टिकी हैं, जहां इन मुद्दों पर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी टकराव की संभावना तय मानी जा रही है।

एसईसीएल की लापरवाही ने ली एक और जान

सड़क पर लाश रख फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, चक्काजाम

शहडोल।

एसईसीएल प्रबंधन की हठधर्मिता और संवेदनहीनता ने आज फिर एक घर का चिराग बुझा दिया। रामपुर-बटुरा मेगा प्रोजेक्ट से निकलने वाले मौत के सौदागर हैवी वाहनों ने खान निवासी उपसरपंच जीवन राठौर के भाई को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने पूर्व जनपद सदस्य राजबहोर चंद्रा, सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी और पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह के नेतृत्व में शव को सडक़ पर रखकर चक्काजाम कर दिया।

अधिकार क्षेत्र के नाम पर झाड़ा पल्ला

हैरानी की बात यह है कि इस खूनी सडक़ की मरम्मत और दोनों ओर शोल्डर (पटरी) भराई के लिए ग्राम पंचायत खान ने 2 अक्टूबर को ही ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किया था। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने तीन बार सब-एरिया मैनेजर के दफ्तर के चक्कर काटे, लेकिन साहब ने बात करना तक मुनासिब नहीं समझा। उल्टा प्रबंधन ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि यह हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है। आज उसी अधिकार क्षेत्र की बहस के बीच एक ग्रामीण की जान चली गई। क्या एसईसीएल प्रबंधन इस मौत की जिम्मेदारी लेगा?

थाना प्रभारी की फटकार

हंगामे की सूचना पर पहुंचे अनूपपुर थाना प्रभारी अरविंद जैन ने स्थिति को संभाला और प्रबंधन की क्लास लगा दी। उन्होंने मैनेजर अर्जुन जोड़े को सरेआम कड़ी फटकार लगाते हुए अल्टीमेटम दिया कि अगर आज शाम तक सडक़ और लाइट का काम शुरू नहीं हुआ, तो शाम को दोबारा आऊंगा और इस बार सीधी कार्रवाई होगी। पुलिसिया तेवर देख प्रबंधन के पसीने छूट गए।

कल सुबह होगा तालाबंदी आंदोलन

आक्रोशित ग्रामीणों और जननेताओं ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि आज शाम तक काम धरातल पर शुरू नहीं हुआ, तो कल सुबह 6:00 बजे एसईसीएल ऑफिस में ताला जड़ दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रबंधन की लापरवाही अब बर्दाश्त से बाहर है, जब तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होते, विरोध जारी रहेगा।

इलाज के नाम पर महिला को लगाए गलत इंजेक्शन

तड़पती छोड़ अस्पताल से भागा धरती का भगवान

शहडोल।

मानवता को शर्मसार और चिकित्सा जगत को कलंकित करने वाला एक सनसनीखेज मामला बुढ़ार के स्वास्तिक हेल्थ केयर अस्पताल से सामने आया है। यहां एक तथाकथित मसीहा डॉक्टर ने न केवल अपनी मर्यादा लांघी, बल्कि इलाज के नाम पर एक मरीज की जिंदगी दांव पर लगा दी। डॉक्टर की बदतमीजी और लापरवाही का आलम यह रहा कि इंजेक्शन लगने के बाद महिला की आंखों की रोशनी पर संकट आ गया है और डॉक्टर ने बेशर्मी की सारी हदें पार करते हुए तड़पती महिला को बीच मझधार में छोडक़र फरार हो गया।

भर्ती करने का दबाव

पीड़ित मनोहर लाल जगवानी ने पुलिस को दी लिखित शिकायत में बताया कि 11 फरवरी की शाम करीब 7:30 बजे वह अपनी पत्नी बबिता जगवानी को चक्कर आने की शिकायत पर स्वास्तिक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां मौजूद डॉ. पीयूष कुमार सिंह ने बिना किसी जांच के मरीज को तुरंत भर्ती करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब मनोहर लाल ने घर पास होने की बात कहकर सुबह आने को कहा, तो डॉक्टर आगबबूला हो गया और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा।

जांच रिपोर्ट से पहले ठोंक दिए 3 इंजेक्शन

डॉक्टर की तानाशाही यहीं नहीं रुकी। बिना ब्लड रिपोर्ट, ईसीजी या एक्स-रे का इंतजार किए, डॉ. पीयूष ने महिला को ताबड़तोड़ तीन इंजेक्शन लगा दिए। इंजेक्शन लगते ही बबिता जगवानी की हालत अचानक गंभीर हो गई। उन्हें धुंधला दिखाई देने लगा और घबराहट बढ़ गई। जब घबराए परिजनों ने डॉक्टर से गुहार लगाई, तो जवाब सुनकर रूह कांप गई। डॉक्टर ने चिल्लाते हुए कहा जब मरने लगते हो तभी अस्पताल आते हो, मेरे भी बीवी-बच्चे हैं, रात भर तुम्हारी सेवा नहीं करता रहूंगा।

झोलाछाप मानसिकता वाला डॉक्टर

इंसानियत को ताक पर रखकर डॉ. पीयूष कुमार सिंह गंभीर हालत में मरीज को बिना किसी प्राथमिक उपचार या डिस्चार्ज प्रक्रिया के अकेला छोडक़र अस्पताल से रफूचक्कर हो गया। पूरी रात परिजन दहशत में रहे। अगली सुबह आनन-फानन में मरीज को शहडोल ले जाया गया, जहां डॉ. विमल प्रजापति के पास उनका उपचार शुरू हुआ। परिजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन की वजह से पीड़िता की आंखों में आज भी गंभीर तकलीफ है और उन्हें साफ दिखाई नहीं दे रहा है। पीड़ित परिवार ने बुढ़ार थाना प्रभारी को शिकायती पत्र सौंपकर आरोपी डॉ. पीयूष कुमार सिंह के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

अपनी ही सरकार में भाजपा नेता की गुहार

सचिव ने सरकारी खजाने को बनाया निजी बैंक

भाजपा मंडल मंत्री ने खोला मोर्चा!

शहडोल। इसे सत्ता का अंतर्विरोध कहें या प्रशासन की बेलगाम कार्यशैली, लेकिन शहडोल में भाजपा के ही नेता अब अपनी सरकार में शिकायतों का झोला लेकर दर-दर भटकने को मजबूर हैं। भाजपा मंडल सोहागपुर के मंत्री श्रीकान्त गुप्ता ने ग्राम पंचायत सचिव विवेक कुमार गुप्ता के खिलाफ भ्रष्टाचार का ऐसा कच्चा चि_ा खोला है, जिसने जिले की राजनीति और पंचायती राज व्यवस्था में हडक़ंप मचा दिया है।

करोड़ों का गबन और बेनामी संपत्तियां

शिकायती पत्र के तीखे शब्द सचिव विवेक गुप्ता की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़ा करते हैं। आरोप है कि सचिव ने कल्याणपुर, सिंदुरी, गोरतरा और सिंहपुर में अपनी पदस्थापना के दौरान मनरेगा, पीएम आवास और पंचायती राज निधि के करोड़ों रुपयों का खुलेआम बंदरबांट किया है। व्यंग्य की बात यह है कि सचिव महोदय की मेहनत का फल आज ग्राम कोइलारी में उनकी माताजी के नाम पर बन रहे एक आलीशान महल और दरवाजे पर खड़ी लग्जरी गाडिय़ों के रूप में चमक रहा है। क्या एक सचिव की वैध आय इतनी अधिक हो सकती है कि वह राजशाही ठाट-बाट अपना ले या फिर यह सरकारी धन के पाचन का करिश्मा है?

जब अपनी ही सरकार में सुननी पड़ रही है दुहाई

आश्चर्य की बात यह है कि भाजपा शासन में खुद भाजपा नेता भ्रष्टाचार की दुहाई दे रहे हैं। अब यहाँ दो ही बातें हो सकती हैं या तो सचिव महोदय इतने पावरफुल हैं कि उन्होंने सत्ता के रसूख को ही ठेंगा दिखा दिया है, या फिर जैसा कि अक्सर गलियारों में चर्चा होती है, सचिव यह तर्क दे सकते हैं कि नेता जी का निजी हित सिद्ध नहीं हुआ, इसलिए वे शिकायत पर उतर आए हैं। खैर, जो भी हो, भाजपा नेता की इस शिकायत ने यह तो प्रमाणित कर दिया है कि उनकी अपनी ही सरकार में निचले स्तर पर भ्रष्टाचार किस कदर सड़ चुका है।

आरटीआई को बनाया ढाल

हैरानी तो इस बात पर है कि 2024 में लगाई गई आरटीआई का जवाब दो साल बीत जाने के बाद भी नहीं दिया गया। सूचना का अधिकार कानून सचिव के ठेंगे पर है। आशंका जताई गई है कि साक्ष्यों को मिटाने के लिए रिकॉड्र्स के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। भाजपा नेता ने अब जिला पंचायत सीईओ से सचिव के तत्काल निलंबन और संपत्तियों को कुर्क करने की मांग की है।

तीन ट्राली कोयला एवं लावारिस वाटर पंप जप्त किया गया

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देश में खनिज, पुलिस एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए ग्राम केशवाही स्थित मरखी माता मदिर के पीछे अवैध कोयला उत्खनन संबंधी प्राप्त शिकायत की जांच कर कार्यवाही की गई। जिला खनिज अधिकारी राहुल शान्डिल्य ने बताया कि मौके पर अवैध खनन के गड्ढों को जेसीबी मशीन की सहायता से भरवाया गया तथा क्षेत्र में बने 04 खदान नुमा गड्ढों को मिट्टी एवं पत्थरों से भठवाया गया। जांच के दौरान स्थल के पास कोयले का अवैध भण्डारण एवं 01 वाटर पंप लावारिस अवस्था में पाया गया। मौके से तीन ट्राली 12 टन कोयला जब्त कर ट्रैक्टर से परिवहन करके थाना चौकी केशवाही में पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखवाया गया। कार्यवाही में नायब तहसीलदार मनोज शुक्ला, चौकी प्रभारी गंगा मार्को तथा खनिज निरीक्षक अभिषेक पाटले की प्रमुख भूमिका रही।

शहडोल की पत्थर-मूर्तियों में छिपा है आजीविका का भविष्य

शहडोल। हमारी गौरवशाली विरासत केवल पत्थरों के अवशेष नहीं, बल्कि शहडोल की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला पावर हाउस है। जिला पुरातत्व संग्रहालय में शुक्रवार को पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के विद्यार्थियों ने जब अपनी जड़ों को टटोला, तो इतिहास के साथ-साथ सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था के नए द्वार खुलते नजर आए। प्रोफेसर नीलिमा खरे के निर्देशन में हुआ यह भ्रमण महज एक सैर नहीं, बल्कि मूर्तिकला को आजीविका से जोडऩे का एक गंभीर शोध मिशन था।

मूर्तियों में धडक़ता है शहडोल का गौरव

संग्रहालय प्रभारी संजय जी और उनके सहयोगी मरावी ने विद्यार्थियों को आईना दिखाया कि प्रदेश के 55 जिलों में से चुनिंदा 34 संग्रहालयों में शहडोल का स्थान कितना महत्वपूर्ण है। 1981 में स्थापित इस संग्रहालय में पाषाण काल से लेकर कलचुरी काल तक का वैभव सिमटा है। शैव, वैष्णव और

व्यन्तर दीर्घाओं में सजी उमा-महेश्वर, हरिहर और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि उस दौर के सामाजिक तालमेल और आर्थिक समृद्धि का प्रमाण हैं।

पत्थर देंगे रोजगार, पर्यटन से चमकेगी किस्मत

इस भ्रमण का सबसे तीखा और व्यावहारिक पहलू मूर्तिकला एवं आजीविका का संबंध रहा। विशेषज्ञों ने दो टूक कहा कि यदि स्थानीय शिल्प परंपरा को पुनर्जीवित किया जाए और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से मूर्तिकला का प्रशिक्षण दिया जाए, तो शहडोल का युवा आत्मनिर्भर बन सकता है। अंतरा की कंकाली देवी, सिंहपुर के पंचमठा मंदिर और लखबरिया गुफाओं जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर बढ़ता धार्मिक पर्यटन स्थानीय हस्तशिल्प और रोजगार के लिए संजीवनी साबित हो सकता है।

विरासत बचाएंगे, भविष्य संवारेंगे

विजिटिंग फैकल्टी नितिन गर्ग, अर्पित दुबे और डॉ. चंद्रकांत की मौजूदगी में एमएसडब्ल्यू के छात्रों ने यह समझा कि ऐतिहासिक प्रतिमाएं समाज का दर्पण हैं। कीर्ति पाव, विद्या सिंह और संदीप प्रजापति सहित अन्य छात्रों ने संकल्प लिया कि वे न केवल इन धरोहरों का संरक्षण करेंगे, बल्कि इन्हें जन-जागरूकता और सामुदायिक विकास का जरिया बनाएंगे। साफ है कि शहडोल की पुरातात्विक संपदा केवल अतीत की यादें नहीं, बल्कि भविष्य के आर्थिक सशक्तिकरण का सबसे मज़बूत आधार है। अब ज़रूरत है तो बस प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामुदायिक भागीदारी की।

नाम सुधार सूचना

मैं मोहम्मद जाहिद उम्र 67 साल पिता स्व. श्री कयामुद्दीन निवासी वार्ड न. 05 ग्राम साबो पोस्ट रुगंटा कालरी थाना अमलाई तहसील बुढार जिला शहडोल म.प्र. आधार नं. 9946 2266 9976 है। मै शपथपूर्वक कथन करता हूॅ मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूॅ। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम मोहम्मद जाहिद में जाहिद की अंग्रेजी में स्पेलिंग (ZAHID) दर्ज है। तथा मेरी जन्म तिथि 04/09/1957 एवं मेरी पत्नी का नाम अजिजुन (AZIZUN) दर्ज है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। मेरा नाम मोहम्मद जाहिद की सही एवं वास्तविक अंग्रेजी स्पेलिंग (MOHHAMAND JAHID) व मेरी सही जन्म तिथि 01/01/1958 है। तथा मेरी पत्नी का सही नाम अजिजुन निशा (AJIJUN NISHA) है। जो कि हमारे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में अंकित है। मेरा नाम मोहम्मद जाहिद की सही एवं वास्तविक अंग्रेजी स्पेलिंग (MOHHAMAND JAHID) व मेरी सही जन्म तिथि 01/01/1958 है। तथा मेरी पत्नी का सही नाम अजिजुन निशा (AJIJUN NISHA) को ही सही एवं वास्तविक माना व पढ़ा समझा जावें तथा इसी नाम से पासपोर्ट भी बनाया जावें इसी के समर्थन में शपथपत्र प्रस्तुत कर रहा हूॅ। BV 803531 **शपथकर्ता**

खबर संक्षेप

हायर सेकेण्डरी की भौतिक विज्ञान एवं अर्थशास्त्र की परीक्षा संपन्न

उमरिया। हायर सेकेण्डरी की परीक्षा में 13 फरवरी को भौतिक विज्ञान, हस्बैंड्री ट्रेड मिल्क पोल्ट्री फार्मिंग एंड फिशरीज , विज्ञान के तत्व विषय की परीक्षा 41 परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न हुई। जिले में हायर सेकेण्डरी भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, एनीमल हस्बैण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्री फार्मिंग एंड फिशरीज, विज्ञान के तत्व विषय की परीक्षा में कुल दर्ज 4763 विद्यार्थियों में से 4700 विद्यार्थियो ने परीक्षा दी वहीं 63 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।
जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस. मरावी द्वारा परीक्षा केन्द्र शा.उ.मा.वि. धमोखर, शा.उ.मा.वि. ताला. शा.उ.मा.वि.उत्कृष्ट मानपुर, शा.उ.मा.वि.बिजौरी, अशा. सरस्वती उ.मा.वि. मानपुर एवं शा.उ.मा.वि. चौरी का निरीक्षण किया गया, परीक्षा शांति पूर्वक एवं सुचारू रूप से संचालित होना पायी गयी परीक्षा में किसी भी परीक्षा केन्द्र में नकल प्रकरण दर्ज नहीं हुए, अतः नकल प्रकरण निरंक है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा व्यवस्था एवं संचालन मंडल के निर्देशानुसार उचित एवं व्यवस्थित पायी गयी, सभी परीक्षा केन्द्रों पर पुलिस बल तैनात पाया गया। परीक्षा केन्द्रों पर 144 धारा लगाने के फलस्वरूप बाह्य भीड़ एवं असमाजिक तत्वों की भीड़ नहीं दिखाई दी, परीक्षाएं शांति पूर्ण होना संचालित पाई गई ।

14.89 लाख के अमृत सरोवर में बड़ा घोटाला, भौतिक सत्यापन में 2 लाख का ही मिला काम

बदरी/जमुना। अनूपपुर जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत छोहरी में मनरेगा के तहत स्वीकृत अमृत सरोवर निर्माण कार्य में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। कार्यस्थल पर लगे सूचना बोर्ड के अनुसार इस निर्माण के लिए 14.89 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी, जिसमें 6.14 लाख श्रम और 8.77 लाख सामग्री मद में व्यय दर्शाया गया है। कार्य प्रारंभ तिथि 23 मई 2022 अंकित है, जबकि पूर्णता तिथि स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं है। मामले में जब स्थल निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन किया गया तो मौके पर महज लगभग 2 लाख रुपए के आसपास ही कार्य होना पाया गया, जिससे शेष राशि के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य न तो स्वीकृत मानकों के अनुसार हुआ और न ही राशि का पारदर्शी उपयोग किया गया। ग्रामीणों ने सरपंच और संबंधित जिम्मेदारों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि पंचायत में अन्य निर्माण कार्यों में भी अनियमितताएं हुई हैं उन्होंने जिला प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

निर्माणाधीन आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में देखने को मिला ऐतिहासिक संगम

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 01 स्थित गोविंदम वैली में नव-निर्माणाधीन आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा और उल्लास का ऐतिहासिक संगम देखने को मिला। बुधवार को आयोजित एक भव्य गरिमामयी समारोह में आदिनाथ भगवान की विशाल प्रतिमा को नवनिर्मित वेदी में विराजमान किया गया। इस गौरवशाली पल का साक्षी बनने के लिए समूचा जैन समाज और धर्मप्रेमी जनता बड़ी संख्या में उमड़ पड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल भव्य घटयात्रा के साथ हुआ। यह शोभायात्रा पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से भगवान की प्रतिमा एवं महावीर दिगंबर जैन मंदिर से पावन 'श्री यंत्र जी' को लेकर घट यात्रा निकालकर नगर भ्रमण में गाजे-बाजे के साथ शुरू हुई और आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर पहुंची, घटयात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। विशेष रूप से महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पीले वस्त्रों में सुसज्जित थे, जो मंगल कलश लिए धर्म के मार्ग पर बढ़ रहे थे। ढोल-नगाड़ों की थाप और 'आदिनाथ भगवान की जय' के नारों से पूरा कोतमा नगर गुंजायमान हो उठा, भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह उत्सव कार्यक्रम मानपुर में संपन्न

डिजिटल ट्रांजैक्शन के दौर में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव

उमरिया। मानपुर में वित्तीय साक्षरता सप्ताह उत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल के अधिकारी ने कहा कि इस वर्ष श्केवाईसी सुरक्षित बैंकिंग की ओर पहला कदमष विशेष थीम के साथ देशव्यापी वित्तीय साक्षरता सप्ताह का शुभारंभ किया गया है । यह कार्यक्रम 13 फरवरी 2026 तक उत्सव के रूप मे मनाया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य डिजिटल युग मे बैंकिंग को अधिक सुरक्षित और सुलभ बनाना है ।

भारतीय स्टेट बैंक मानपुर के शाखा प्रबन्धक ने अज्ञात लिंक पर क्लिक करने के खतरे और बैंकिंग फ्राड से बचने के व्यावहारिक तरीके साझा किए गए । उन्होने कहा कि केवाईसी केवल एक दस्तावेज प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह आपकी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखने की पहली सीढी है । डिजिटल ट्रांजेक्शन के दौरे मे सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है द्य ग्रामीणों की अपनी बैंकिंग संबंधी संकाओं का समाधान किया । जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक द्वारा सभी ग्राहकों से अपील की गई है कि वे वित्तीय साक्षरता सप्ताह में भाग लेकर सुरक्षित बैंकिंग से जुडी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त करें क्योकि आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को बैंकिंग से जुड़े धोखाधड़ी जैसे डिजिटल अरेस्ट ,यूपीआई स्कैम, फोन काल वाला फ्राड ,फिशिंग लिंक (फर्जी इमेल , लिंक पर क्लिक कराकर पासवर्ड /ओ टी पी या पिन निकालना,सिम कार्ड कि क्लोनिंग, स्क्रीन शेयरिंग एप से ठगी इत्यादि मामलों से सतर्क करना तथा सुरक्षित और जिम्मेदार बैंकिंग को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी राम नागर , जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक सेवक राम सोनवानी, शाखा प्रबन्धक भारतीय स्टेट बैंक मानपुर , आशीष कुमार राय, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबन्धक विकास कुमार पटेल,एवं ग्राम के सम्मानीय जन तथा अधिक संख्या मे खाता धारकों की सहभागिता रही।

एसडीएम बांधवगढ की अध्यक्षता में डीजे संचालकों की बैठक संपन्न

निर्धारित डेसीबल एवं समय तक डीजे बजाने के दिए सख्त निर्देश

उमरिया। जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल व्दारा हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी की परीक्षाएं आयोजित की जा रही है। परीक्षा में विद्यार्थियो को अध्यापन के कार्य में किसी भी प्रकार का व्यवधान नही हो, इसके लिए कलेक्टर धरणेन्द्र जैन के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में डीजे संचालकों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ ने कहा कि डीजे संचालक निर्धारित डेसीबल सीमा के अंदर ही डीजे बजाएं इसके साथ ही डीजे बजाने की अनुमति जिस अवधि तक के लिए प्रदाय की

गई है, उसी अवधि तक ही बजाया जाए। अवधि के पश्चात डीजे बजना पाया जाता है तो,संबंधित डीजे संचालक के विरूध्द अनुशासनात्मक एवं डीजे जब्ती की कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। बैठक में एसडीओपी उमरिया पुन्नुलाल सिंह , एसएलआर सतीश सोनी, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी सहित डीजे संचालक उपस्थित रहे।

राजनगर मंडल में मनाई गई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि

राजनगर। भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर अंतर्गत नगर परिषद डुमरकछार में प्रखर राष्ट्रवादी एकात्म मानववाद के प्रणेता श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। जिसके मुख्य अतिथि के तौर पर पधारे राजनगर मंडल के प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह परिहार, मुख्य वक्ता के रूप में पधारेश लक्ष्मी चौधरी, जिनकी अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित हुआ। मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, नगर परिषद डुमरकछार के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार चौरसिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष कृष्णानंद शर्मा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सोनू कनौजिया, युवा मोर्चा महामंत्री सचिन द्विवेदी, पार्षद बृजेंद्र कुमार, पार्षद रिंकू दिवान, नारायण साहू, महिला मोर्चा की कार्यकर्ता ममता पात्रों, संगीता साहू, हरिलाल साकेत, हरिशंकर चंद्रा एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता साथी एवं नगरवासियों उपस्थित रहें।

ताला मार्ग पर मौत से टकराया ऑटो, छह ग्रामीण लहुलुहान

उमरिया। जिले के ताला मार्ग पर गुरुवार को रफ्तार के जुनून ने एक बार फिर खूनी खेल खेला। बड़ेरी गांव के पास एक बेकाबू अर्टिगा कार ने ऑटो को सामने से ऐसी जोरदार टक्कर मारी कि चीख-पुकार से पूरा इलाका दहल उठा। इस भीषण भिड़ंत में ऑटो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सडक़ पर बिछी खून की बूंदें और बिखरा कांच प्रशासन के दावों और यातायात नियमों की धज्जियां उड़ाता नजर आया।

आमने-सामने की भिड़ंत, मच गई चीख-पुकार

जानकारी के अनुसार, बरतराई गांव से मझौली (बांका) जा रहे ग्रामीणों के लिए यह सफर किसी बुरे सपने जैसा साबित हुआ। ऑटो अपनी दिशा में जा रहा था, तभी सामने से काल बनकर आ रही अर्टिगा कार के चालक ने लापरवाही की सारी हदें पार करते हुए ऑटो को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के अगले हिस्से का नामोनिशान मिट गया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो अगर ग्रामीण समय पर मदद के लिए न दौड़ते, तो परिणाम और भी भयावह हो सकते थे।

घायलों का अस्पताल में इलाज जारी

हादसे में सोबरन सिंह, शोभा सिंह, लीला बाई, रमा बाई, प्रेम बाई और संता बाई गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से सभी को जिला अस्पताल उमरिया में भर्ती कराया गया है। हालांकि डॉक्टरों ने सभी की हालत फिलहाल स्थिर बताई है, लेकिन सिर और अंगों में आई चोटें रफ्तार के इस कहर की गवाही दे रही हैं।

प्रशासन मौन, जनता में आक्रोश

ताला मार्ग अब डेथ जोन में तब्दील होता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस और परिवहन विभाग की सुस्ती के कारण चालक बेखौफ होकर गाडिय़ां उड़ाते हैं। पुलिस ने मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन सवाल वही है, क्या कागजी कार्रवाई से सडक़ों पर बहता खून रुकेगा? ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस मार्ग पर रफ्तार पर लगाम नहीं कसी गई, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

चमत्कारी इलाज के नाम पर अंधविश्वास की लूट

झाड़-फूंक गिरोह का पर्दाफाश, 12 लाख की संपत्ति बरामद

अनूपपुर/राजनगर। अनूपपुर जिले में झाड़-फूंक और चमत्कारी इलाज के नाम पर अंधविश्वास फैलाकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। थाना रामनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर सोना-चांदी के आभूषण और नगद सहित करीब 12 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की है। यह मामला समाज के लिए चेतावनी है कि अंधविश्वास किस तरह आमजन को आर्थिक और मानसिक रूप से नुकसान पहुंचाता है।

जिले में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसमें केवल ठगी की नहीं, बल्कि समाज में फैले अंधविश्वास और भय का उदाहरण है। ग्राम बरतराई निवासी लक्ष्मण सिंह पोरते के पिता को लकवा होने के बाद कथित झाड़-फूंक करने वालों ने उनकी मजबूरी का फायदा उठाया। पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र का ढोंग कर पहले बीमारी ठीक करने का झांसा दिया गया, फिर घर में टोना-टोटका होने का डर दिखाया गया फिर धीरे-धीरे आरोपी परिवार का विश्वास जीतते गए और इलाज के नाम पर पहले नगद राशि ली गई इसके बाद तंत्र-मंत्र से जान से मारने और दोबारा लकवा मारने की धमकी देकर पूरे परिवार के सोने-चांदी के आभूषण और बड़ी रकम हड़प ली गई। डर और अंधविश्वास के कारण परिवार चुप रहा, लेकिन बाद में साहस जुटाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। यह मामला दिखाता है कि अंधविश्वास किस तरह अपराधियों को मौका देता है और जागरूकता की कमी आम लोगों को शिकार बना देती है।

बीमारी बनी ठगी का हथियार

लकवा जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे परिवार की कमजोरी को आरोपियों ने हथियार बनाया। झाड़-फूंक और पूजा-पाठ के जरिए भरोसा दिलाया गया कि चमत्कारी इलाज से सब ठीक हो जाएगा। बीमारी और डर के माहौल में परिवार तर्क से नहीं, बल्कि आस्था और भय से फैसले लेने लगा। यही अंधविश्वास ठगों के लिए सबसे बड़ा रास्ता बन गया।

डर दिखाकर आभूषण और नगद ऐंठे

आरोपियों ने तंत्र-मंत्र से जान से मारने और दोबारा लकवा मारने की धमकी देकर परिवार को भयभीत किया। डर के कारण महिलाओं ने अपने मंगलसूत्र, चांदी के गहने और बड़ी मात्रा में नगद दे दिए। यह घटना बताती है कि भय और अंधविश्वास मिलकर किस तरह लोगों को पूरी तरह असहाय बना देते हैं।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से खुला राज

फरियाद मिलने के बाद थाना रामनगर पुलिस ने बिना देर किए कार्रवाई की। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई और अलग-अलग ठिकानों पर दबिश देकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से तंत्र-मंत्र की किताबें, आभूषण, नगद और वारदात में प्रयुक्त वाहन बरामद हुआ।

अंधविश्वास भी अपराध की जड़

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और चमत्कारी उपचार से जुड़े कानूनों के तहत अपराध दर्ज किया है। यह कार्रवाई साफ संदेश देती है कि झाड़-फूंक और चमत्कारी इलाज के नाम पर ठगी करना गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

समाज के लिए सीख

यह घटना समाज को सोचने पर मजबूर करती है कि अंधविश्वास कितनी बड़ी कीमत वसूल सकता है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी चमत्कारी इलाज, तंत्र-मंत्र या झाड़-फूंक के बहकावे में न आएं। बीमारी की स्थिति में केवल प्रमाणित डॉक्टर और चिकित्सा संस्थानों पर भरोसा करें। जागरूकता ही ऐसे अपराधों से बचाव का सबसे मजबूत हथियार है। डर और अंधविश्वास नहीं, समझदारी और जागरूकता ही सुरक्षित समाज की पहचान है।

विद्युत विभाग परिसर में स्थित गौरी शंकर मंदिर से निकाली जाएगी भगवान भोलेनाथ की बारात

कोतमा। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर जहां नगर के शिवालयों मे तैयारी शुरू कर दी गई है वहीं नगर के बस स्टैंड के पास विद्युत विभाग कार्यालय परिसर मे स्थित गौरी शंकर मंदिर से भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली जाएगी एवं बारात मे बाहर से आये कलाकारों के द्वारा तांडव नृत्य किया जायेगा साथ ही अखंड मानस पाठ का आयोजन भी किया जाता है। इस बार धार्मिक और ज्योतिषीय के द्वारा कहा जा रहा है कि करीब 300 साल बाद एक दुर्लभ संयोग बन रहा है, जो भोलेनाथ की विशेष कृपा का संकेत माना जा रहा है। वैसे तो साल में 12 शिवरात्रि आती हैं, लेकिन फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को पड़ने वाली महाशिवरात्रि का महत्व सबसे अलग होता है। इस दिन की गई पूजा, व्रत और साधना का फल कई गुना अधिक बताया गया है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य कुछ राशियों को इस महाशिवरात्रि पर खास तौर पर भाग्यशाली मान रहे हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित सुशील द्विवेदी के अनुसार, इस बार महाशिवरात्रि पर लगभग 300 वर्षों बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसमें एक साथ 8 शुभ योगों का निर्माण हो रहा है। ऐसे योग बहुत कम देखने को मिलते हैं और इन्हें बेहद फलदायी माना जाता है। 15 फरवरी को सूर्य, बुध और शुक्र एक साथ होकर त्रिग्रही योग बना रहे हैं। इसके साथ ही श्रवण नक्षत्र भी रहेगा, जिसे भगवान शिव का प्रिय नक्षत्र माना जाता है। इसके अलावा व्यतिपात योग, वरियान योग, ध्रुव योग और राज योग का संयोग इस दिन को और भी विशेष बना रहा है। पंडित सुशील द्विवेदी ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी को शाम 5:06 बजे शुरू होगी और 16 फरवरी को सुबह 5:32 बजे समाप्त होगी। चूंकि महाशिवरात्रि की पूजा और जागरण रात्रि में किए जाते हैं, इसलिए इस वर्ष महाशिवरात्रि 15 फरवरी की रात को ही मनाई जाएगी। व्रत और रात्रि पूजा के लिए यही दिन श्रेष्ठ माना गया है।

नर्मदा तट पर उमड़ेगा जन सैलाब, अमरकंटक महाशिवरात्रि मेला की सभी तैयारियाँ पूर्ण

अमरकंटक। शहडोल संभाग की पावन और आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक एक बार पुनः भक्ति, आस्था और उत्सव के अद्भुत संगम की साक्षी बनने को तैयार है। तीन दिवसीय महाशिवरात्रि मेला 15 फरवरी रविवार से 17 फरवरी मंगलवार तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन हेतु समस्त आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

जिला प्रशासन अनूपपुर के मार्गदर्शन एवं नगर परिषद अमरकंटक के समन्वित प्रयासों से संपूर्ण मेला क्षेत्र को सुव्यवस्थित एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर लाखों श्रद्धालु, तीर्थयात्री एवं पर्यटक पतित पावनी माँ नर्मदा के पावन तट पर स्नान, दर्शन, पूजन-अर्चन एवं साधना हेतु मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों से यहाँ पहुँचते हैं। विशेष रूप से नर्मदा उद्गम स्थल, रामघाट, कोटि तीर्थ घाट, पुष्कर बांध एवं अरंडी संगम तट पर श्रद्धालुओं की आस्था की अविरल धारा प्रवाहित होगी। श्रद्धालु पवित्र जल में डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति एवं पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। मेला केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक गतिविधियों का भी सशक्त केंद्र बनता है। छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न अंचलों से व्यापारी वर्षों से इस अवसर की प्रतीक्षा करते हैं और अपनी दुकानें सजाकर मेले की रौनक बढ़ाते हैं। मेला मैदान को व्यापारिक गतिविधियों हेतु सुव्यवस्थित ढंग से तैयार किया गया है, जिससे आगंतुकों को खरीदारी में सुविधा हो सके। जिला प्रशासन द्वारा मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न विभागीय योजनाओं की विकास प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिससे आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त तीनों दिवसों तक छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक संध्या में गायन एवं नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, जिनका हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु एवं पर्यटक आनंद लेंगे। यह आयोजन आध्यात्मिकता के साथ-साथ लोकसंस्कृति के रंगों से भी सराबोर रहेगा। नगर परिषद अमरकंटक के मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते ने जानकारी देते हुए बताया कि मेला आयोजन हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ पूर्ण कर ली गई हैं। मेला क्षेत्र में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मोबाइल टॉयलेट, पेयजल टैंकर, प्रकाश व्यवस्था एवं साफ-सफाई के विशेष प्रबंध किए गए हैं। मेला मैदान के समीप वाहन पार्किंग की सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।
सुरक्षा की दृष्टि से पर्याप्त पुलिस बल एवं सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाएगी, ताकि श्रद्धालु निर्भय होकर दर्शन एवं मेले का आनंद ले सकें। प्रशासन का उद्देश्य है कि यह महाशिवरात्रि मेला श्रद्धा, शांति और सुव्यवस्था का आदर्श उदाहरण बने। निस्संदेह, अमरकंटक का यह तीन दिवसीय महोत्सव भक्ति, संस्कृति और सामाजिक समरसता का दिव्य उत्सव बनकर प्रदेश ही नहीं, अपितु देशभर के श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध होगा।

खबर संक्षेप

घुनघुटी में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का भव्य स्वागत

घुनघुटी मे कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश अध्यक्ष जीतूं पटवारी का भव्य स्वागत किया गया स्वागत मे जिला पंचायत सदस्य हेमनाथ बैगा राजेश पाठक अरुण सिंह गोविंद चौधरी शाकिर खान प्रदीप तिवारी जीवन बैगा रामनाथ यादव पन्ने लाल केवट बिहारी लाल वर्मा एवं सैकड़ों जनमानस ने श्री जीतूं पटवारी का भव्य स्वागत किया

वैवाहिक समारोह से डीजे सिस्टम ले गये चोर

कटनी। एन.के.जे. थाना क्षेत्र के अंतर्गत जागृति कॉलोनी में वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान अज्ञात चोरों ने डीजे सेटअप से कीमती लैपटॉप और अन्य उपकरण चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार जागृति कॉलोनी मैदान में विमल सोनी के मकान के पास लगे एक शादी के पंडाल में डीजे लगा हुआ था। रात में अज्ञात चोरों ने मौका पाकर डीजे सिस्टम में लगे उपकरणों पर हाथ साफ कर दिया। धनीराम पटेल निवासी दुर्गा चौक ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके डीजे सेटअप से 2 लैपटॉप जिनकी कीमत लगभग 50,000 रुपये है। क्रॉस ओवर डी जे प्लस कंपनी का जिसकी कीमत लगभग 6,500 रुपये है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(A) के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

लाइनमैन के साथ मारपीट पर मामला दर्ज

कटनी। कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खोहरी में बिजली विभाग के कर्मचारी के साथ अभद्रता का मामला सामने आया है। लाइनमैन सलीम खान के साथ ड्यूटी के दौरान मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार फरियादी सलीम खान जो कि रीठी के निवासी हैं और विद्युत विभाग में कार्यरत हैं, ग्राम खोहरी में अपनी ड्यूटी पर थे। उसी दौरान आरोपी विनय पटेल निवासी खोहरी ने लाइनमैन सलीम खान के साथ विवाद शुरू कर दिया। आरोपी ने न केवल उन्हें गंदी-गंदी गालियां दीं बल्कि उनके साथ मारपीट भी की और भविष्य में जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी विनय पटेल के विरुद्ध मामला पंजीकृत किया है।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को

कटनी। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वनसेवा की प्रारंभिक परीक्षा 2026 जिले के 8 परीक्षा केंद्रो में 26 अप्रैल को ओएमआर पद्धति से 2 सत्रों में आयोजित होंगी। पहले सत्र की परीक्षा प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरे सत्र की परीक्षा दोपहर 2:15 बजे से शाम 4:15 बजे तक आयोजित होगी। राज्य सेवा एवं राज्य वनसेवा एवं प्रारंभिक परीक्षा के सफल क्रियान्वयन एवं सुचारू संचालन तथा परीक्षा की संपूर्ण व्यवस्था के लिए संयुक्त कलेक्टर जितेंद्र पटेल को परीक्षा का प्रभारी अधिकारी और अतिरिक्त परियोजना समान्वयक राज्य शिक्षा केंद्र कटनी को सहायक नोडल और प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिले के 8 शैक्षणिक संस्थानों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इनमें शासकीय तिलक कॉलेज, शासकीय गर्ल्स कॉलेज, बार्डस्ले इंग्लिश मीडियम स्कूल मिशन चौक, शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज झिंझरी, शासकीय मॉडल हायर सेकेन्ड्री स्कूल, जेपीवी डीएवी पब्लिक स्कूल, शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंड्री स्कूल माधवनगर और सिलिकोबाईट डिग्री कॉलेज शामिल है।

संदिग्ध अवस्था में मिली युवक की लाश

कटनी। रीठी थाना क्षेत्र अंतर्गत खम्हरिया ग्राम में अपनी होने वाली ससुराल आए एक युवक का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया है। मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं जिससे हत्या की आशंका जताई गई है।

सावधान! बिना डॉक्टरी सलाह के एंटीबायोटिक लेना है धीमा जहर

शहडोल। अगर आप मामूली सर्दी-खांसी या बदन दर्द होने पर मेडिकल स्टोर से मांगकर एंटीबायोटिक गटक रहे हैं, तो सावधान हो जाइए, आप अनजाने में अपनी ही चिता तैयार कर रहे हैं। विवेकानन्द पैरामेडिकल कॉलेज शहडोल में आयोजित एक विशेष संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि एंटीबायोटिक का गलत और बेतहाशा इस्तेमाल मानव शरीर के लिए किसी परमाणु बम से कम खतरनाक नहीं है।

रिएक्शन हुआ तो बचने का मौका भी नहीं मिलेगाः डॉ. मिहिर

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, जीएमसी मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. मिहिर ने कड़े लहजे में कहा कि एंटीबायोटिक का दुरुपयोग आज के समय की सबसे बड़ी मेडिकल इमरजेंसी है। उन्होंने आगाह किया कि बिना जरूरत एंटीबायोटिक खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता खत्म हो जाती है। जब असल में दवा की जरूरत होती है, तब वे बेअसर साबित होती हैं। गलत इस्तेमाल से न केवल शरीर के अंग खराब हो सकते हैं, बल्कि मरीज की मौके पर ही जान भी जा सकती है।

मेडिकल स्टोर से दवा लेना मतलब जान से खिलवाड़ः डॉ. हरीश गुप्ता

कॉलेज के संचालक डॉ. हरीश गुप्ता ने सीधे तौर पर उन लोगों पर निशाना साधा जो खुद ही डॉक्टर बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग डॉक्टर की फीस बचाने के चक्कर में सीधे दवा की दुकान से एंटीबायोटिक खरीद लेते हैं। यह प्रवृत्ति जानलेवा है। बिना जांच और सटीक डोज के ली गई दवा शरीर के भीतर अंगों को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। उन्होंने जनता से अपील की कि किसी भी स्थिति में झोलाछाप या मेडिकल स्टोर संचालकों की बातों में आकर अपनी जिंदगी दांव पर न लगाएं।

जागरूकता ही एकमात्र बचाव

इस गंभीर चर्चा के दौरान कॉलेज का पूरा स्टाफ मुस्तैद रहा। कार्यक्रम में डॉ. नम्रता पटेल, राजकिशोर दुबे, मनीष गुप्ता, और उमेश सोंधिया सहित शिवानी सिंह राजपूत, सरिता जयसवाल, प्रीति विश्वकर्मा, हर्षिता मिश्रा, सुधा राठौड़, अंगद कुशवाह और प्रियंका तिवारी ने भी इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अगर आप भी दवा की दुकान से बिना पर्ची के गोलियां खरीद रहे हैं, तो रुकिए, आपकी यह एक लापरवाही पूरे परिवार को उम्र भर का गम दे सकती है।

बिना अनुमति के धरना, प्रदर्शन रैली, आंदोलन करना प्रतिबंधित

उमरिया। अनुभाग मानपुर क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न व्यक्तियों एवं समूहों द्वारा अपनी व्यक्तिगत अथवा सामूहिक मांगों की पूर्ति हेतु बार-बार धरना/प्रदर्शन आयोजित करना एक प्रवृत्ति के रूप में विकसित हो गया है। यह भी परिलक्षित हुआ है कि इस प्रकार के धरना प्रदर्शन से लोक शांति भंग होने, कानून व्यवस्था प्रभावित होने, शासकीय कार्यालयों के कार्य बाधित होने, यातायात अवरुद्ध होने तथा आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए तथा सार्वजनिक शांति, सुरक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों के निर्विघ्न संचालन हेतु, यह आवश्यक हो गया है कि धरना प्रदर्शन को नियंत्रित एवं विनियमित किया जाए।

उपखंड दंडाधिकारी राजस्व मानपुर हरनीत कौर कलसी ने कहा है कि अनुभाग मानपुर क्षेत्र अंतर्गत कोई भी व्यक्ति, समूह अथवा संगठन बिना पूर्व लिखित अनुमति के किसी भी शासकीय कार्यालय, सार्वजनिक स्थल, सडक़ या चौराहे पर धरना, प्रदर्शन, रैली अथवा आंदोलन आयोजित नहीं करेगा। धरना/प्रदर्शन हेतु अनुमति प्राप्त करने के लिए संबंधित पक्ष को कम से कम (सात) दिवस पूर्व सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति किसी भी प्रकार का एकत्रीकरण अवैध माना जाएगा।धरना प्रदर्शन के आयोजन के दौरान टेंट की व्यवस्था उपलब्ध कराने वाले प्रत्येक टेंट संचालक ठेकेदार को सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा। बिना वैध अनुमति के किसी भी व्यक्ति/संस्था को टेंट उपलब्ध कराए जाने की स्थिति में संबंधित टेंट संचालक ठेकेदार के विरुद्ध प्रचलित नियमों के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 188 एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों, तथा दंड प्रक्रिया संहिता की लागू धाराओं (जहां लागू हो) के अंतर्गत दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। अनाधिकृत धरना/प्रदर्शन को तत्काल प्रभाव से समाप्त कराने, प्रतिभागियों को हटाने तथा आवश्यक होने पर कानूनी बल प्रयोग हेतु पुलिस प्रशासन सक्षम होगा। समस्त राजस्व, पुलिस एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं तथा किसी भी उल्लंघन की स्थिति में तत्काल विधिसम्मत कार्यवाही करें। यह आदेश लोक शांति,जनहित एवं सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

नवनिर्मित पालिका बाजार का किया गया लोकार्पण

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 3 में नवनिर्मित पालिका बाजार का लोकार्पण मध्य प्रदेश शासन के मंत्री के द्वारा शुक्रवार को किया गया इस दौरान जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित नगरवासी शामिल रहे। नवनिर्मित पालिका बाजार 93 लाख की लागत से 18 दुकाने निर्मित की गई हैं। जिससे लोगों को रोजगार प्राप्त होने के साथ नगर का विकास भी होगा। प्राप्त किराया में से आधा किराया स्वास्थ्य विभाग के रोगी कल्याण कल्याण समिति को दिया जाएगा। मंत्री जायसवाल ने कहा कि पूरे विधानसभा में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। जिसका उद्देश्य स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देना। नागरिक सुविधाओं में विस्तार एवं नगर के विकास को गति देना है। अपने भाषण के दौरान पूर्व विधायक कांग्रेस पर भी जमकर कटाक्ष किए। जिसमें जनता को गुमराह करनें एवं गुंडागर्दी के आरोप लगाए। अध्यक्ष अजय सराफ ने कहा कि नगर में लगातार विकास के कार्य जारी है जिसका लाभ नगरवासियों को मिलता रहेगा। सभी दुकानदारों को अच्छे व्यापार के लिए शुभकामनाएं। आने वाले दिनों में और भी अन्य लोकार्पण किया जाएगा। उपाध्यक्ष वैशाली बद्री ताम्रकार ने कहा कि पालिका बाजार में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स से बाजार में रौनक बढ़ेगी। सभी व्यापारियों का रोजगार भी बढ़ेगा। भाषण के दौरान बिजली कट जाने से उपस्थित लोगो ने असहज महसूस किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष हीरासिंह श्याम, रामावतार अग्रवाल, सुनील चौरासिया, हनुमान गर्ग, ज्योति सोनी, मोहिनी वर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिजौरी ग्राम में एनएसएस कैंप में पुलिस ने किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

ग्राम बिजोरी में स्थित तिलक कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा आयोजित 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) शिविर के अंतर्गत आज एक जन- जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी बड़वारा उनि के.के. पटेल द्वारा शिविर में उपस्थित छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के पालन, साइबर फ्रॉड से बचाव तथा नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा एवं यातायात संकेतों का पालन अत्यंत आवश्यक है। साथ ही वर्तमान समय में बढ़ते ऑनलाइन ठगी एवं साइबर अपराधों से बचने के लिए किसी भी अनजान लिंक, कॉल, ओटीपी अथवा बैंक संबंधी जानकारी साझा न करने की समझाइश दी गई।

ग्राम पंचायत कुंआ पहुंच कर अभियान की प्रगति का लिया जायजा

महिला एवं बाल विकास विभाग की ज्वाइंट डायरेक्टर ने किया बहोरीबंद का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति के लिये केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को दिलाने के लिये 31 मार्च तक ₹संकल्प से समाधान₹ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का प्रथम चरण 15 फरवरी को पूर्ण होगा ।

बहोरीबंद विकासखंड में अभियान की नब्ज टटोलने अभियान प्रभारी महिला एवं बाल विकास विभाग की ज्वाइंट डायरेक्टर ऊषा सोलंकी पहुंची जहाँ उन्होंने ग्राम पंचायत कुआँ पहुंचकर अभियान की हकीकत का जायजा लिया। ज्वाइंट डायरेक्टर ने अभियान के माध्यम से प्राप्त आवेदन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान पर्यवेक्षक रानी ठाकुर, सरपंच अमित साहू उपस्थित रहे। ज्वाइंट डायरेक्टर के द्वारा आँगनबाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया गया।

ज्वाइंट डायरेक्टर ने कहा किपंचायतों में वार्ड स्तर पर आवेदन और शिकायतों के एकत्रीकरण के लिए गठित दल शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं से संबंधित आवेदन व शिकायतों को शिविर लगाकर या घर-घर जाकर एकत्रित करें। नोडल अधिकारी का यह दायित्व होगा कि वह अपने लॉगिन से सभी आवेदनों को पोर्टल पर दर्ज करे।पोर्टल पर दर्ज करने के बाद सभी आवेदनों को क्लस्टर स्तर के अधिकारी के पास जमा किया जाएगा। क्लस्टर स्तर के अधिकारी आवेदनों को विभागवार संबंधित अधिकारियों को निराकरण के लिये प्रेषित कर निराकरण की स्थिति प्राप्त करेगा।अभियान का दूसरा चरण-अभियान का दूसरा चरण 16 फरवरी से 16 मार्च तक चलाया जायेगा। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में प्राप्त आवेदन के साथ शेष आवेदन पत्रों के निराकरण के लिये शिविर लगाए जाएंगे।समाधान से संकल्प अभियान का तीसरा चरण 16 मार्च से 26 मार्च तक चलेगा।

इस चरण में क्लस्टर अथवा जोन लेवल पर अनिराकृत आवेदन व शिकायतों एवं नवीन प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए शिविर आयोजित किये जायेंगे। इन शिविरों में किए गए निराकरणों को ब्लॉक लेवल नोडल अधिकारी द्वारा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। शिविर में प्राप्त होने वाले अथवा शिविर के ठीक पूर्व पोर्टल पर दर्ज होने वाले नवीन आवेदनों को भी विचार में लिया जाएगा और उनका विधिवत निराकरण किया जाएगा।

मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

गुरुवार को बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने एकत्र हुईं और अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका फेडरेशन के बैनर तले हुए इस धरने में महिलाओं ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने विभागीय दबाव और तकनीकी समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाई। महिलाओं ने पोषण ट्रैकर ऐप और हाल ही में लागू किए गए फेस रिकग्निशन सिस्टम का विरोध किया। ज्ञापन में कहा गया कि टेक होम राशन वितरण के लिए चेहरा पहचान और ओटीपी आधारित सत्यापन ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति से मेल नहीं खाता। कार्यकर्ताओं का कहना है कि कई गांवों और आदिवासी इलाकों में इंटरनेट की सुविधा ठीक नहीं है और अधिकांश हितग्राहियों के पास महंगे स्मार्टफोन नहीं हैं। ऐसे में तकनीक फेल होने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। तकनीक फेल होने का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने आरोप लगाया कि विभाग के अधिकारी बजट रुकने के डर से उन पर दबाव बना रहे हैं। FRS सत्यापन न होने पर नौकरी से निकालने की धमकी दी जा रही है।

नो पार्किंग जोन में खड़े 40 वाहनों पर कार्यवाही, 20 हजार का वसूला जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में विशेष मुहिम के तहत नो-पार्किंग जोन में अवैध रूप से खड़े 40 वाहनों पर कोतवाली पुलिस ने चालानी कार्रवाई की। पुलिस ने मौके पर ही वाहन मालिकों से कुल 20,000 रुपये का समन शुल्क वसूल किया। थाना प्रभारी निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के मुख्य मार्गों, व्यस्त बाजार क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थलों का निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान पाया गया कि सड़कों के किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों की वजह से यातायात बाधित हो रहा था और पैदल चलने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस ने न केवल चालान काटे, बल्कि वाहन चालकों को भविष्य में निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने की सख्त हिदायत दी।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान महज सांकेतिक नहीं है। आने वाले दिनों में भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें और नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा न कर शहर की व्यवस्था को सुचारू बनाने में सहयोग करें। कोतवाली प्रभारी राखी पांडे ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाना हमारी प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आधुनिक कृषि यंत्र बेलर की उपयोगिता पर विस्तार से दी जानकारी

किसान रथ गांव-गांव दे रहा किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कृषक कल्याण वर्ष 2026 "समृद्ध किसान–समृद्ध मध्यप्रदेश" अभियान के अंतर्गत कृषि विभाग का किसान रथ विकासखंड विजयराघवगढ़ के ग्राम तिमुआ, गैरतलाई एवं जरा रोड क्षेत्र में पहुंचकर किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी दे रहा है।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग के उपयंत्री संदीप पीपाड़ा ने आधुनिक कृषि यंत्र बेलर की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि बेलर खेत में फैले फसल अवशेष जैसे भूसा, पुआल एवं सूखी घास को एकत्र कर दबाकर गठरी (बेल) बनाता है, जिससे उनका भंडारण एवं परिवहन आसान हो जाता है। उन्होंने बताया कि बेलर चलाने से पूर्व खेत में रैक यंत्र चलाया जाता है, जो अवशेषों से कंकड़-पत्थर अलग कर पुआल को सुखाकर एक लाइन में कर देता है। इसके बाद ट्रैक्टर के पीटीओ से संचालित बेलर द्वारा पिक-अप यूनिट फसल अवशेषों को बेल चेंबर में पहुंचाती है, जहां प्लंजर दबाकर निश्चित आकार की बेल तैयार करता है, जिसे नॉटिंग सिस्टम बांध देता है।

उपयंत्री श्री पीपाड़ा ने बताया कि बेलर दो प्रकार के होते हैं—स्क्वायर बेलर एवं राउंड बेलर। स्क्वायर बेलर में अत्यधिक दबाव से 20 से 35 किलोग्राम वजन की कठोर गठरी बनती है, जिसमें हवा का संचार कम होने से नमी रहने पर सड़न या फफूंद का खतरा रहता है। यह छोटे खेतों के लिए उपयुक्त है। वहीं राउंड बेलर निरंतर प्रक्रिया में कार्य करता है, जिससे 300 से 600 किलोग्राम वजन की गोल बेल बनती है। इसमें अवशेष परत-दर-परत लिपटते हैं, जिससे हवा का संचार बना रहता है और नमी धीरे-धीरे निकल जाती है। यह बड़े खेतों एवं नमी वाले अवशेषों के लिए अधिक उपयोगी है। उन्होंने बताया कि बेलर के उपयोग से खेत से फसल अवशेष हट जाते हैं, जिससे पराली जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और पर्यावरण संरक्षण होता है। मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है तथा मित्र कीट सुरक्षित रहते हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है। साथ ही किसानों को बताया गया कि बेलर से बने बंडलों को गौशाला, डेयरी फार्म, ईंट भट्टा एवं बायो-एनर्जी प्लांट में बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है।

खबर संक्षेप

मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

अनूपपुर। कलेक्ट्रेट मे कलेक्टर के रीडर पद पर पदस्थ संतोष तिवारी को मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ का प्रांतीय सचिव नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से जिले के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए तिवारी सहित अन्य नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ प्रदान किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी ने प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए कलेक्ट्रेट मे पदस्थ संतोष तिवारी को प्रांतीय सचिव, अनूपपुर जनपद मे पदस्थ बालगंगाधर सेंगर को वरिष्ठ उप प्रांताध्यक्ष एवं कौशल प्रसाद केवट को उप प्रांताध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश कार्यकारिणी मे अनूपपुर जिले से तीन वरिष्ठ कर्मचारियों को स्थान मिलने से जिले का गौरव बढा है। जिले के लोगों, अधिकारियों-कर्मचारियों और शुभ चिंतकों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए कर्मचारियों और जिले के हित मे कार्य करने की अपेक्षा की है।

जिला चिकित्सालय का जिला पंचायत सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर विभिन्न स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अलका तिवारी, सिविल सर्जन डॉ एस आर परस्ते सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। जिला पंचायत सीईओ ने जिला चिकित्सालय अनूपपुर के ओपीडी, जन औषधि केंद्र, भर्ती रोगी कक्ष, प्रसव कक्ष, आपातकालीन उपचार, भंडार कक्ष, प्रसव पूर्व जांच कक्ष, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, सर्जरी ऑर्थोपेडिक ओटी कक्ष, डॉक्टर ड्यूटी रूम, एनसीडी एवं वृद्धजन क्लिनिक, ब्लड रूम, रक्त जांच केंद्र, डायलिसिस सेंटर सहित अस्पताल की साफ सफाई व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठे सवाल

सेडमैप के आउटसोर्सिंग साक्षात्कार पर गंभीर आरोप

अनूपपुर। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग से जुड़े आउटसोर्सिंग नियुक्ति साक्षात्कार को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। यह मामला उद्यमिता विकास केंद्र (सेडमैप) के माध्यम से आयोजित साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और वैधानिकता पर प्रश्नचिह लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल एवं जिला कलेक्टर अनूपपुर को विस्तृत लिखित आवेदन सौंपकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता वसंत कुमार पिता फूलचंद, निवासी धीरोल, जिला अनूपपुर (म.प्र.) द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार, सेडमैप के माध्यम से जिला अनूपपुर के लिए स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत विभिन्न पदों कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं एम.टी.एस. (ग्रुप-डी) पर आउटसोर्सिंग नियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। यह प्रक्रिया दिसंबर 2025 में प्रारंभ हुई, जिसमें कुल 895 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया।

साक्षात्कार की तिथियाँ और आधिकारिक पत्राचार शिकायत के अनुसार, सेडमैप द्वारा पत्र क्रमांक सेडमैप/मैनपावर/12025/8888/भोपाल दिनांक 12 दिसंबर 2025 के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथियाँ निर्धारित की गईं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कम्प्यूटर ऑपरेटर 18 दिसबर 2025 (समयः सुबह 11 बजे), एम.टी.एस. (ग्रुप-डी) 19 दिसंबर 2025 (समयः सुबह 11 बजे), एम.टी.एस. (ग्रुप-डी) 20 दिसंबर 2025 (समयः सुबह 11 बजे) इन साक्षात्कारों का आयोजन भोपाल स्थित सेडमैप कार्यालय, एमपी-16, अरेरा हिल्स, पुरानी जेल के सामने, निर्वाचन सदन के पास किया जाना दर्शाया गया है। इसके पश्चात, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), जिला अनूपपुर द्वारा पत्र क्रमांक 0897/20255-1/669473/2025 13 दिसबर 2025 के माध्यम से अधिकारियों को साक्षात्कार हेतु नामांकित करने का उल्लेख है।

वहीं, एक अन्य पत्र क्रमांक मु.चि./2025/432 17 दिसंबर 2025 के जरिए 18, 19 और 20 दिसंबर 2025 को भोपाल में साक्षात्कार आयोजित किए जाने की सूचना दी गई।

साक्षात्कार पैनल और लगाए गए आरोप

शिकायत पत्र में उल्लेख है कि साक्षात्कार प्रक्रिया में प्रमुख रूप से डीएचओ-2 तथा धीरज साहू (फार्मासिस्ट/स्टोर कीपर) की भूमिका रही। आरोप है कि इन अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार की सूची पहले से तैयार रखी गई थी और अधिकांश चयन पूर्वनिर्धारित था। शिकायत के अनुसार, साक्षात्कार के दिनों में लगभग 112 लोगों की एक सूची पहले से मौजूद थी, जिनमें से अधिकांश कथित रूप से साक्षात्कार लेने वाले अधिकारियों के परिचित बताए गए हैं। आरोप है कि इन अभ्यर्थियों का चयन उनके निवास स्थान के अनुसार चेब, और क्भ जैसी स्वास्थ्य इकाइयों में पहले ही तय कर लिया गया था।

उपस्थिति, डेटा और चयन पर सवाल

शिकायत में यह भी कहा गया है कि 112 नामों में से 21 अभ्यर्थी साक्षात्कार में उपस्थित ही नहीं हुए, इसके बावजूद उनके नाम चयन सूची में शामिल कर लिए गए। इसके अतिरिक्त, आरोप लगाया गया है कि इन 112 लोगों में से 59 अभ्यर्थियों का ऑनलाइन आवेदन डेटा सेडमैप की सूची में उपलब्ध ही नहीं है, यानी उनके नामों का कोई आधिकारिक डिजिटल रिकॉर्ड नहीं पाया गया। यह स्थिति पूरी चयन प्रक्रिया की वैधानिकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने वास्तव में ऑनलाइन आवेदन किया और साक्षात्कार में उपस्थित रहे, उन्हें दरकिनार कर दिया गया। और कई आवेदन कर्ताओं को साक्षात्कार के लिए बुलाया ही नहीं गया।

पैसे की मांग और दबाव के आरोप

पत्र में एक और गंभीर आरोप यह है कि चयन के बदले 30,000 रुपये तक की अवैध मांग की गई। शिकायत के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने यह राशि देने से इनकार किया, उन्हें उनके गृह जिले से 75 से 150 किलोमीटर दूर पदस्थ किया गया, जिससे कम वेतन में कार्य करना उनके लिए व्यावहारिक रूप से असंभव हो गया। इतना ही नहीं, आरोप है कि कई चयनित अभ्यर्थियों से त्यागपत्र और स्थानांतरण

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग,
मध्यप्रदेश शासन

निवास - बी-2, चार इमली, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष - 0755-2708767 (कार्यालय)
0755-2441814, 2441068 (निवास)

क्रमांक ..162.. भोपाल, दिनांक 11.02.26

प्रति,
कलेक्टर,
जिला अनूपपुर,
अनूपपुर मध्यप्रदेश

श्री बसंत कुमार निवासी धीरोल जिला अनूपपुर एवं अन्य द्वारा प्रेषित शिकायती पत्र मूलतः संलग्न है। पत्र में सेड मैप में हेल्थ विभाग के आउट सोर्सिंग हेतु हो रहे साक्षात्कार को स्थगित किए जाने का अनुरोध किया है। पत्र में उल्लेख है कि कुल 112 लोगों में 21 लोग साक्षात्कार देने हेतु उपस्थित नहीं होने एवं 112 लोगों में से 59 लोगों का ऑनलाईन आवेदन का डेटा सैडमेप से प्राप्त नहीं होने के पश्चात भी संबंधितों के नाम चयन सूची में शामिल किए गए है। शिकायतकर्ताओं द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायत कर पैसे लेकर चयन किए जाने संबंधि गंभीर शिकायत की गई है।

अतः अनूपपुर जिले अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की आउट सोर्स भर्ती की जांच कर नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया स्थगित किए जाने हेतु कार्यवाही करें।

(दिलीप जायसवाल)

पत्र सेडमैप, सीएमएचओ एवं जीडीएस इंटरप्राइजेज को ई-मेल के माध्यम से पहले ही भिजवा लिए गए थे, जिससे यह संकेत मिलता है कि नियुक्ति प्रक्रिया साक्षात्कार से पहले ही पूरी कर ली गई थी।

वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रभाव डालने का दावा

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि 17 दिसंबर 2025 से 24 दिसंबर 2025 तक संबंधित अधिकारी सेडमैप भोपाल कार्यालय में उपस्थित रहे और सेडमैप के नोडल अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों पर यह कहकर दबाव बनाया गया कि सूची में शामिल लोग जिला कलेक्टर एवं सीएमएचओ अनुपपुर से जुड़े तथा मंत्री के लोग हैं। आरोप के अनुसार, इस दौरान मोबाइल पर बातचीत कर विश्वास में लेकर सूची को अंतिम रूप दिया गया।

कलेक्टर और मंत्री से जांच और कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता वसंत कुमार ने कलेक्टर अनूपपुर और राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल से आग्रह किया है कि वे स्वयं इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लें और स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों डीएचओ-2 एवं धीरज साहू द्वारा किए गए कथित भ्रष्टाचार को रोकने हेतु सख्त कदम उठाएं। उन्होंने जनहित और अपने हित में शीघ्र, निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। शिकायत के साथ कई दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न की गई है, जिनमें पत्राचार, तिथियाँ, सूचियाँ और अन्य साक्ष्य शामिल बताए गए हैं। साथ ही, अन्य कथित पीड़ति आवेदकों के हस्ताक्षर भी आवेदन के साथ प्रस्तुत किए गए हैं।

राज्य मंत्री के निर्देश पर शिकायत की जांच के आदेश

मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल द्वारा पत्र क्रमांक 162, दिनांक 11 फरवरी के माध्यम से जिला कलेक्टर, अनूपपुर को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त पत्र में धीरौल निवासी शिकायतकर्ता बसंत कुमार द्वारा प्रस्तुत शिकायत को मूल रूप से प्रेषित करते हुए उसमें लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री द्वारा स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित आरोपों की जांच नियमानुसार कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राज्य मंत्री के इस निर्देश से प्रशासनिक स्तर पर मामले की पारदर्शी जांच की प्रक्रिया प्रारंभ होने की संभावना है।

प्रशासन की भूमिका पर नजर

यह मामला सामने आने के बाद अब निगाहें जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हैं कि वे इन आरोपों को किस गंभीरता से लेते हैं। यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल आउटसोर्सिंग व्यवस्था की खामियों को उजागर करेगा, बल्कि चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता को भी रेखांकित करेगा। फिलहाल यह पूरा मामला शिकायत और दस्तावेजों पर आधारित है। जांच के बाद ही सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी। प्रशासनिक कार्रवाई और जांच रिपोर्ट का इंतजार अब आमजन और अभ्यर्थी कर रहे हैं।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष त्रिपाठी से कांग्रेसजनों ने की सौजन्य भेंट

अनूपपुर। नगर पालिका अनूपपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रदेश कांग्रेस सचिव पंडित प्रेम कुमार त्रिपाठी से कांग्रेसजनों द्वारा भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली गई तथा आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस अवसर पर पार्टी संगठन को आगामी समय में और अधिक सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा एवं रणनीतिक मंथन भी किया गया। समन्वय समिति की बैठक के उपरांत प्रदेश सचिव त्रिपाठी से मुलाकात करते हुए पार्टी की वर्तमान गतिविधियों एवं संगठनात्मक निर्णयों से उन्हें अवगत कराया गया। वरिष्ठ नेता त्रिपाठी ने अपने लंबे राजनीतिक अनुभव साझा करते हुए कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा कांग्रेस की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए मार्गदर्शन दिया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के महासचिव पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुन्देलाल सिंह मार्को, पूर्व विधायक कोतमा मनोज कुमार अग्रवाल, डॉ. चौहान, राजन, मानवेंद्र मिश्रा सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में आगामी चुनावी रणनीति, संगठन विस्तार, युवा कार्यकर्ताओं की भागीदारी तथा पार्टी की मजबूती हेतु ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। सभी नेताओं ने एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी को जिले में नई ऊर्जा और दिशा देने का संकल्प लिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक में फीफा के अंतर्गत फुटबॉल वितरण कार्यक्रम संपन्न

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में फीफा की पहल के अंतर्गत फुटबॉल वितरण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालयीन स्तर पर खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों को फुटबॉल के प्रति सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में पुष्पराजगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) वसीम अहमद भट्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिले के कुल 26 विद्यालयों के लगभग 110 प्रतिभागियों ने इस आयोजन में सहभागिता की। प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक एवं एक छात्र अपने-अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए फुटबॉल ग्रहण करने हेतु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ आत्मीय स्वागत के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य आशीष शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं। फुटबॉल न केवल शारीरिक तंदुरुस्ती को सुदृढ़ करता है, बल्कि

अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि यद्यपि भारत में क्रिकेट अधिक लोकप्रिय है, किंतु विश्व स्तर पर फुटबॉल सबसे अधिक खेले जाने वाले खेलों में अग्रणी है और लगभग सभी देश इसमें भाग लेते हैं। मुख्य अतिथि वसीम अहमद भट्ट ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि फुटबॉल स्वास्थ्य, स्फूर्ति और मानसिक एकाग्रता के लिए अत्यंत लाभकारी खेल है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सचिन जाटव एवं शेख वहीद ने प्रभावी ढंग से किया। वितरण समारोह के उपरांत एनके साहू द्वारा आभार प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि, सहभागी विद्यालयों, शिक्षकों एवं आयोजन समिति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। आयोजन की सफलता में श्रीमती मनोरमा कौशल, श्रीमती प्रीति कोचे, सुश्री बुशरा अंजुम, सुश्री कल्पना अग्रवाल, सुश्री किरण मिश्रा, सुश्री अर्पिता सिंह, सुश्री हर्षा मालवी, सुश्री अंबिका राय, शुभम राय, के. पटेल, भानु प्रताप सिंह, विनोद कुमार चौहान, भूपेंद्र यादव, सदानंद तिवारी, अभिलाष पनिका, अनीश मिश्रा एवं अभिसार पांडेय का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में एकलव्य हायर सेकेंडरी स्कूल अनूपपुर, मॉडल स्कूल अनूपपुर, हायर सेकेंडरी स्कूल अमगवां, हायर सेकेंडरी स्कूल लखौरा, कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय अमरकंटक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रीड़ा परिसर अमरकंटक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या क्रीड़ा परिसर अमरकंटक सहित जिले के अन्य विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंत में प्रतीकात्मक किक-ऑफ के साथ कार्यक्रम का समापन सकारात्मक एवं प्रेरणादायी वातावरण में हुआ, जिसने जिले में फुटबॉल खेल के नवोत्साहपूर्ण प्रसार की औपचारिक शुरुआत को चिह्नित किया। आज दिनांक 12 फरवरी दिन गुरुवार के एम ओ डी अतुल सिंह चौहान रहे।

आज काम शुरू नहीं हुआ तो दफ्तर में ताला लगाने की चेतावनी

एसईसीएल की लापरवाही से गई जान, सड़क पर शव रख ग्रामीणों का चक्का जाम

अनूपपुर। अनूपपुर जिले में एसईसीएल रामपुर भटूरा क्षेत्र से निकलने वाली भारी वाहनों की आवाजाही एक बार फिर जानलेवा साबित हुई है। सड़क सुरक्षा के अभाव में हुए हादसे में उपसरपंच के भाई की मौके पर ही मौत हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने पूर्व जनपद सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ सड़क पर शव रखकर चक्का जाम किया। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद एसईसीएल प्रबंधन ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

जिले में हुई यह घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही प्रशासनिक और प्रबंधन की लापरवाही का परिणाम बताई जा रही है। ग्राम खनना निवासी उपसरपंच जीवन राठौर के भाई की मौत एसईसीएल रामपुर-भटूरा मेगा प्रोजेक्ट से निकलने वाली भारी गाड़ियों की वजह से हुई। ग्रामीणों का कहना है कि रामपुर से सांधा ओवरब्रिज तक सड़क के दोनों ओर पट्टी और स्ट्रीट लाइट का काम बेहद जरूरी है। इस मांग को लेकर 2 अक्टूबर को ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित कर सबएरिया मैनेजर और महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन आज दिनांक तक काम शुरू नहीं हुआ। पूर्व जनपद सदस्य राजबहोर चंद्रा, सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी, भूपेश शर्मा और पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी रमेश सिंह परिवार सहित ग्रामीणों के साथ सड़क पर उतरे। उनका आरोप है कि प्रबंधन ने बातचीत तक से इनकार कर दिया, जिसका खामियाजा आज एक परिवार को जान गंवाकर चुकाना पड़ा है।

भारी गाड़ियों से बना जानलेवा रास्ता

एसईसीएल रामपुर-भटूरा परियोजना से रोजाना गुजरने वाली भारी गाड़ियां ग्रामीणों के लिए खतरा बन चुकी हैं। सड़क संकरी है, न किनारे पट्टी है और न ही पर्याप्त रोशनी। पहले भी कई बार हादसे हो चुके हैं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क स्कूल, बाजार और गांव को जोड़ती है, ऐसे में हर दिन जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है।

ज्ञापन और प्रस्ताव, फिर भी नहीं हुई सुनवाई

ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर एसईसीएल प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया था। सबएरिया मैनेजर से लेकर उच्च अधिकारियों तक मांग रखी गई, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला। जब तीसरी बार अधिकारियों से संपर्क किया गया तो साफ कह दिया गया कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। ग्रामीण इसे सीधी लापरवाही मान रहे हैं।

सड़क पर शव रखकर चक्का जाम

हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया। प्रदर्शन में पूर्व जनपद सदस्य राजबहोर चंद्रा, सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश त्रिपाठी सहित कई लोग शामिल रहे। ग्रामीणों ने प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सड़क व लाइट का काम तुरंत शुरू करने की मांग की।

पुलिस की मौजूदगी, मैनेजर को फटकार

सूचना मिलते ही अरविंद जैन थाना प्रभारी अनूपपुर मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश दी। इस दौरान मैनेजर अर्जुन जोड़े को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा गया कि यदि आज शाम तक सड़क और लाइट का काम शुरू नहीं हुआ तो वे दोबारा निरीक्षण करेंगे और सख्त कार्रवाई होगी।

आज काम नहीं तो कल दफ्तर में ताला

ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि यदि आज शाम तक काम शुरू नहीं हुआ तो कल सुबह 6 बजे एसईसीएल कार्यालय में ताला बंद कर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि अब आश्वासन नहीं, जमीन पर काम चाहिए। एक जान जाने के बाद भी अगर प्रबंधन नहीं जागा, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। यह घटना समाज के लिए चेतावनी है कि सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार प्रबंधन की अनदेखी सीधे मानव जीवन पर भारी पड़ती है।

नगर पालिका अध्यक्ष पसान और सीएमओ को हाईकोर्ट में उपस्थित होने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मामला अनुपपुर के संविदाकार धर्मेंद्र चौबे की याचिका से संबंधित है, वर्ष 2009-10 में नगर पालिका क्षेत्र में निर्माण कार्यों के लिए चौबे को भुगतान किया गया था जिसमें टीडीएस की राशि लगभग चार लाख रुपए नगरपालिका द्वारा काट लिया गया था और विभाग में जमा नहीं किया गया था, इस संदर्भ में कई बार आवेदन दिए जाने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होने पर आवेदक द्वारा हाई कोर्ट जबलपुर में वर्ष 2023 में याचिका प्रस्तुत की गई थी, याचिका में उच्च न्यायालय द्वारा सीएमओ पसान के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था तब टीडीएस जमा कर दिया गया था परंतु ब्याज की राशि जमा नहीं किया गया था। 12 फरवरी को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अध्यक्ष पसान और सीएमओ को 09 मार्च को हाईकोर्ट में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं, याचिका कर्ता का पक्ष रखते हुए आशुतोष जोशी एवं दीपक पांडे ने बताया कि आयकर विभाग एवं विक्रय कर द्वारा बकाया राशि पर चक्र वृद्धि ब्याज लगाया जाता है कोर्ट के आदेश के बाद भी नगर पालिका ने भुगतान नहीं किया गया इसलिए कोर्ट ने दोनों को बुला लिया है।

इनका कहना है

हमने अपने टीडीएस भुगतान के लिए कई बार आग्रह किया था आग्रह के बाद भी भुगतना पूरा नही किया गया इसलिए हमको माननीय न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।

धर्मेंद्र चौबे, संविदाकार
अनुपपुर

!! राधे-राधे !! !! श्री गणेशाय नमः !! !! राधे-राधे !!
श्री गुजरात ग्रेनाईट एंड टाइल्स

ग्रेनाईट एवं टाईल्स के थोक एवं फुटकर विक्रेता
हमारे यहां सभी प्रकार के टाईल्स, ग्रेनाईट- सांड्य Z ब्लैक, सुपर ब्लैक, आर ब्लैक इत्यादि एवं सेनेट्री, कड़प्पा उचित दामों पर उपलब्ध है।
कोटा स्टोन कम दामों में उपलब्ध है
प्रो. देवेन्द्र सिंह जी 7742294629, 7440984719, 7737330239